

स्फटिकाश्म पुं. (तत्.) स्फटिक/बिल्लौर नामक पत्थर।

स्फटिकी स्त्री. (तत्.) फिटकिरी।

स्फटिकीकरण पुं. (तत्.) स्फटिक जैसे रवे बनाना।
crystalisation

स्फटिकोपल पुं. (तत्.) स्फटिक, बिल्लौर।

स्फटित वि. (तत्.) फटा हुआ, विदीर्ण।

स्फटी स्त्री. (तत्.) फिटकिरी।

स्फार वि. (तत्.) 1. बहुत अधिक, प्रचुर, अति विपुल
2. बड़ा 3. घना 4. विकट 5. बढ़ा हुआ 6. फैला
हुआ, विस्तृत पुं. 1. विस्तार 2. अधिकता।

स्फारण पुं. (तत्.) स्फुरण, कंपन, कंपकंपी, थरथराहट,
प्रवेश करना।

स्फाल पुं. (तत्.) दे. स्फारण।

स्फालन पुं. (तत्.) 1. कंपाना, हिलाना 2. रगड़ना,
सहलाना 3. फटफटाना, फड़फड़ाना।

स्फिंकस स्त्री. (अर.) 1. एक पंख-युक्त राक्षसी
जिसका धड़ शेर का और सिर स्त्री का था। यह
राक्षसी राहगीरों को पकड़कर उनसे कोई पहेली
पूछती थी और जो राहगीर सही उत्तर नहीं देता
था उसे वह खा जाती थी ग्रीक पुराकथा में इस
राक्षसी का वर्णन मिलता है 2. मिस्र देश की
एक मूर्ति जिसका धड़ शेर का और सिर पुरुष
का होता है 3. समझने में कठिन व्यक्ति,
रहस्यमय व्यक्ति, जटिल व्यक्ति 4. पहेली,
पहेली जैसी बात।

स्फीत वि. (तत्.) 1. बढ़ा हुआ, वद्धित 2. फूला
हुआ, उभरा हुआ 3. समृद्ध, संपन्न 4. बढ़ाया
हुआ, फुलाया हुआ।

स्फीति स्त्री. (तत्.) 1. वृद्धि, बढ़त 2. अधिकता,
प्रचुरता 3. समृद्धि अर्थ. सामान्य कीमत स्तर
में निरंतर वृद्धि, जिसकी वजह से क्रय-शक्ति
कम हो जाती है, मुद्रास्फीति। inflation

स्फुट वि. (तत्.) 1. फूटा/टूटा हुआ 2. खिला हुआ,
विकसित 3. स्पष्ट, व्यक्त, प्रकट 4. व्याप्त,
छाया हुआ 5. स्पष्ट उच्चारित 6. विविध और

अनिश्चित प्रकारों का, फुटकर 7. थोड़ी-थोड़ी मात्रा
में (विक्रय), फुटकर, खुदरा।

स्फुटता स्त्री. (तत्.) स्फुट होने की अवस्था/गुण/
भाव, स्फुटपन।

स्फुटत्व पुं. (तत्.) स्फुटता।

स्फुटन पुं. (तत्.) 1. फटना, फूट पड़ना 2. विकसित
होना, खिलना।

स्फुटा स्त्री. (तत्.) साँप का फन।

स्फुटार्थ पुं. (तत्.) जिसका अर्थ/मतलब स्पष्ट हो।

स्फुटिका स्त्री. (तत्.) 1. किसी चीज का टूटा हुआ/
काटकर निकाला हुआ अंश 2. फूट नामक फल
3. फिटकिरी।

स्फुटित वि. (तत्.) 1. फटा हुआ 2. खिला हुआ,
विकसित, फूला हुआ 2. बोलकर या किसी अन्य
प्रकार से स्पष्ट या व्यक्त किया हुआ।

स्फुटित-कांड-भग्न पुं. (तत्.) हड्डी टूटने का वह
रूप जिसमें उसके टुकड़े-टुकड़े बिखर जाते हैं
(वैद्यक के अनुसार)।

स्फुटी स्त्री. (तत्.) 1. पैर की बिवाई फटना 2. फूट
नामक फल।

स्फुटीकरण पुं. (तत्.) प्रकट, व्यक्त या स्पष्ट
करने संबंधी क्रिया/भाव।

स्फुर पुं. (तत्.) 1. स्फुरण, फड़कना/धड़कन, थरथराहट
2. चमक, दीप्ति।

स्फुरण पुं. (तत्.) 1. अंगों का फड़कना 2. धड़कन
3. कंपन, लहराना, कंपकंपी, थरथराहट 4. चमक,
दीप्ति।

स्फुरदीप्त वि. (तत्.) जिसमें स्फुरदीप्ति हो।

स्फुरदीप्ति स्त्री. (तत्.) भौतिकी में, कुछ पदार्थों
में होने वाली एक प्रकार की संदीप्ति, पदार्थ पर
एक्स-किरणों आदि का प्रकाश डालना बंद करने
के बाद भी कुछ देर तक प्रकाश का उत्सर्जन
होता रहना। phosphorescence

स्फुरना अ.क्रि. (तत्.) 1. स्फुरण होना, फड़कना,
धड़कना, काँपना या हिलाना 2. व्यक्त होना,